

सीशु में

शैलान

हैं

बाइबिल मरकुस ३(२२)

१ लाख से अधिक
पुस्तक व सी.डी.
वितरित हो चुकी हैं

सोनिया के खुदा का आदेश
'सूर्य चन्द्रमाँ व देवी देवता पूजकों
को तुम ईसाई पत्थरों से मार दो'

बाइबिल व्यवस्था विवरण १७(२-५)

मुकेश जैन
अध्यक्ष

सी.डी मूल्य १० रूपयें

धर्म रक्षक श्री दारा सेना

यीशु में शैतान है

बाइबिल मरकुस 3(22)

मुजहना द्विभाषी साप्ताहिक वाल्यूम 10 वर्ष 10 अंक 06, 3-6 फरवरी, 06, बसन्त पंचमी प्रत्येक बृहस्पतिवार को मानव रक्षा संघ पंजीकृत ट्रस्ट नं. 25061, अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी, 77 खेड़ा खुर्द, दिल्ली-110082 द्वारा प्रकाशित और मुद्रित। सम्पादक अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी द्वारा डेस्क टाप पर प्रोसिड, प्रकाशित और साइक्लोस्टाईल। बिना पूर्व भुगतान के डाक से भेजने के लिए पंजीकृत, पंजीकरण संख्या यू (डी एन) 158/2002 दिल्ली डाक पंजीकरण नं. डी एल-16054/2002, आर एन आई पंजीकरण नं. 68466/67 E-mail: mukeshjaindarasena@yahoo.com प्रत्येक बृहस्पतिवार/शुक्रवार को नई सब्जी मंडी, दिल्ली-110033 से पोस्ट।

लेखक-मुकेश जैन, अभियन्ता, आई, आई. टी. (रूड़की)

अध्यक्ष-धर्मरक्षक श्री दारा सेना

मूल्य 3 रुपये (सदुपयोग)

(अन्य भाषाओं में प्रकाशित करने के इच्छुक व्यक्ति/संस्थाएँ) फोन 9868324025, पर स्वामी अयोध्याप्रसाद त्रिपाठी जी और फोन नं. 9212023514, 011-22175044 पर श्री मुकेश जैन से सम्पर्क करें।)

वैधानिक चेतावनी : इस पुस्तक को लिखने का लक्ष्य ईसाई आतंकवादियों द्वारा पूर्वोत्तर में बाइबिल के आदेशों को मानकर की जा रही सैनिकों की निर्मम हत्याओं को रोकना है और इसाई आतंकवाद व आतंकवादी अधर्म का पूर्ण सफाया कराना है। 'यीशु में शैतान है' यह बाइबिल मरकुस 3(22) में लिखा है। भारत सरकार के प्रतिनिधि पुस्तक हमारे कार्यालय से ले जा चुके हैं, जिसमें अभी तक कुछ भी असंवैधानिक नहीं पाया गया। पुस्तक के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था को आपत्ति है तो वह अपनी आपत्ति का निवारण बाइबिल की सम्बन्धित आयतों को पढ़कर कर सकता है। अनावश्यक रूप से परेशान करने वालों के विरुद्ध न्यायालय में कानूनी कारवाई की जायेगी व मान-हानि का मुकदमा दर्ज करके हरजा-खर्चा वसूला जायेगा। दिल्ली से प्रकाशित इस पुस्तक से सम्बन्धित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल दिल्ली की होगा। मुजहना भारतीय प्रेस परिषद से पंजीकृत साप्ताहिक है, किसी भी प्रकार की कानूनी कारवाई करने से पूर्व प्रेस परिषद की अनुमति लेना आवश्यक है।

बाइबिल की आयतें जो बताती हैं यीशु में शैतान है

शास्त्री जो येरुशलम से आये थे वह कहते थे कि उस में (यीशु में) शैतान और वह दुष्टात्माओं के सरदार (शैतान बालजबूल) की सहायता से दुष्टात्मा निकलता है। बाइबिल मरकुस 3 (22)

उस में (यीशु में) अशुद्ध आत्मा (शैतान की आत्मा) है। बाइबिल मरकुस (20)

फरीसियों ने कहा, यह (यीशु) दुष्टात्माओं के सरदार शैतान बालजबूल की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता है। बाइबिल मत्ती 12 (24), 9 (34)

यह (यीशु) तो परमेश्वर की निन्दा करता है। बाइबिल मरकुस 2 (27) यह (यीशु) शैतान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता हूँ। बाइबिल 12 (27)

राजा हेरोदेस ने यीशु की चर्चा सुनी और अपने सेवकों से कहा यह यूहन्ना बपतिस्मा देने वाला मरे हुआँ में से जी उठा है। जिस यूहन्ना का सिर मैंने कटवाया था, वह जी उठा है। बाइबिल मत्ती 14 (1-2), बाइबिल मरकुस 6 (14-16)

यीशु के चेलों उसको (यीशु को) झील पर चलते देख घबरा गये, और कहने लगे कि यह (यीशु का) भूत है और डर के मारे चिल्ला उठे। बाइबिल मत्ती (26)

परन्तु उनमें (येरुशलम की जनता) से कुछ ने कहा "यह तो बालजबूल नामक दुष्टात्माओं के प्रधान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकलता है। बाइबिल लूका 11 (15)

यीशु के मरने के बाद यीशु का भूत चेलों को दिखना

परन्तु वें (यीशु के चेले) घबरा गये और डर गए और समझे कि वें किसी भूत (यीशु के भूत) को देख रहे हैं। बाइबिल लूका 24

(37) लोगों ने कहा तुझमें (यीशु में) दुष्टात्मा है। बाइबिल यूहन्ना (8)

उनमें से बहुत से कहने लगे कि उसमें (यीशु में) दुष्टात्मा है और वह पागल है, उसकी क्यों सुनते हो? बाइबिल यूहन्ना 10 (19)

और वें कहते हैं उसमें (यीशु में) दुष्टात्मा है। बाइबिल मत्ती 10 (18)

समर्पण

कुमार दिलीप सिंह जूदेव

केन्द्रीय पर्यावरण एवं वन राज्य मंत्री

भारत सरकार, नई दिल्ली

जिनके तेजस्वी और विराट स्वरूप ने उन लाखों धर्मघ्रष्ट पतित हिन्दू भाइयों को जिन्होंने यीशु जिसमें बाइबिल मरकुस 3 (22) के अनुसार शैतान है, को अज्ञानता और पोष के चर्च के इसाई आतंकवादियों के भयवश अपना तारणहारा मान लिया था, को पुनः हिन्दू धर्म में दीक्षित किया।

मेरी दृष्टि में कुमार दिलीप सिंह जूदेव कलयुग के भगवान श्रीकृष्ण है। जैसे भगवान श्रीकृष्ण ने सुदामा का उद्धार उनके चरण धोकर किया था उसी तरह कुमार साहब ने अपने वर्षों के बिछुड़े हिन्दू भाइयों का उद्धार उनके पांव धो कर किया।



धर्मरक्षक दारा सिंह निर्दोष हैं। मैं करंजिया (मयूरभंज) उड़ीसा अपने 10 हजार समर्थकों के साथ दारा सिंह को छुड़ाने जा रहा हूँ।

दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कुमार दिलीप सिंह जूदेव मीडिया को संबोधित करते हुए। साथ में खड़े हैं, डॉ. कैलाश चन्द्र (टोपी पहने हुए), संयोजक श्री दारा सिंह परिजन सहायता समिति और उनके बराबर में श्री मुकेश जैन, अध्यक्ष धर्मरक्षक श्री दारा सेना।

यीशु में शैतान है

बाइबिल मरकुस 3(22)

प्रस्तावना

दिल्ली का रफी मार्ग स्थित कान्सटीट्यूशन क्लब। दिल्ली के कथित नागरिकों की एक विशाल सभा। उनमें ज्यादातर इसाई पादरी और नन हैं। मंच पर इसाईयों का एजेन्ट स्वामी अग्निवेश, प्रयाग पीठ के शंकराचार्य माधवानन्द जी, दिल्ली का आर्क बिशप अंग्रेज एलन डी लस्टिक, पादरी एम्यूएल हक बैठे हैं। रोमन कैथोलिक इसाईयों का तथाकथित गुरु पोप जान पाल दिल्ली आ रहा है। सभा में इसाई ननों की जबरदस्त भीड़ कार्यक्रम के आयोजक इसाईयों ने की है। सभा के आयोजक इसाई चाहते हैं कि एक प्रस्ताव इस सभा में सर्वसम्मति से पारित हो कि पोप जान पाल के दिल्ली आगमन पर दिल्ली की प्रबुद्ध जनता और धर्माचार्य भव्य स्वागत करते हैं। उल्लेखनीय है कि पोप के आने का शिवसेना दिल्ली प्रदेश प्रमुख श्री जय भगवान गोयल के नेतृत्व में दिल्ली के बहादुर शिवशैनिकों सहित विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल आदि कई संगठन भारी विरोध कर रहे हैं और इनकी प्रमुख मांग है कि पुर्तगाली शासन काल में जबरदस्ती इसाई बनाने और इसाई न बनने पर गोवा में ब्राह्मणों को जिन्दा जलाने के लिये पोप हिन्दुओं से माफी मांगे। पोप के स्वागत का प्रस्ताव पारित होने को ही है। सब औपचारिकताएं पोप के समर्थन में दिये भाषणों से पूरी हो चुकी हैं। इसाईयत की दयालुता, ईसामसीह के प्रेम, इसाई मिशनरियों की सेवा के कसीदे पढ़े जा रहे हैं। चर्च द्वारा पूर्वोत्तर में फैलाये जा रहे इसाई आतंकवाद और चर्च के इसाई आतंकवादियों द्वारा आये दिन सैनिकों की निर्मम हत्या का कहीं कोई जिक्र नहीं है। औपचारिक रूप से इसाईयों का एजेन्ट स्वामी अग्निवेश कहते हैं कि किसी को कोई शंका हो या किसी का कोई प्रश्न हो तो वह मंच पर बैठे व्यक्तियों से पूछ सकते हैं।

एक दो व्यक्तियों ने सवाल किये जिसका जवाब मंच पर आरुढ़ व्यक्तियों ने यथा सम्भव दिया। इसी बीच हिन्दुत्व के उच्च आदर्शों से ओत-प्रोत एक नवयुवक प्रश्न करने खड़ा हो जाता है, जिसके हाथ में बाइबिल है। नवयुवक कहता है कि यह बाइबिल 'बाइबिल सोसाइटी आफ इण्डिया', बंगलौर से प्रकाशित है जो कि उसने बाइबिल सोसाइटी आफ इण्डिया, संसद मार्ग, नई दिल्ली 110001 से 80 रुपये में खरीदी है। इस बाइबिल के व्यवस्था वितरण अध्याय की आयत 12 (1-3) पृष्ठ संख्या 269 में लिखा है जो भूमि मैं तुम्हारा परमेश्वर तेरे (ईसाईयों के) अधिकार में देता हूँ उस भूमि पर जब तक तुम (ईसाई) जीवित

रहो, मेरी इस आज्ञा का पालन करना। जिन जातियों को उनकी भूमि से तुम (ईसाई) खदेड़ोगे वें ऊँचे-2 पहाड़ों पर टीलों पर या किसी भाँति के हरे भरे वृक्ष के तले जितने स्थानों पर अपने देवी देवताओं को पूजते हैं उनको तुम (ईसाई) पूरी रीति से नष्ट करना, उनकी वेदियों को ढा देना, की लाटों को ताड़ डालना, उनकी शेरवाली की मूर्ति को आग में जला देना उनकी खुदी हुई मूर्तियों को काट के गिरा देना ताकि उस देश से उनका नामोनिशान तक मिट जाय।

इसी बाइबिल के व्यवस्था विवरण अध्याय की आयत 17 (2-4) पृष्ठ संख्या 276 पर लिखा है कि जो भूमि मैं, तुम्हारा परमेश्वर तुम्हारे अधिकार में करता हूँ उस भूमि पर कोई स्त्री पुरुष ऐसा पाया जाये, जिसने मेरी आज्ञा को तोड़कर मेरी दृष्टि में घृणित काम किया है। अर्थात् सूर्य-चन्द्रमा देवी देवताओं को या आकाश के किसी नक्षत्र को पूजा है, या उन्हें दण्डित किया है तो ऐसे स्त्री पुरुष को तुम (ईसाई) पकड़ लेना और नगर के बाहर फाटक पर ले जाकर ऐसा पत्थरवाह करना की वें मर जायें।

नवयुवक कहता है कि मेरा दिल्ली के आर्क बिशप एलेन डी लस्टिक से सवाल है कि सूर्य-चन्द्रमा व देवी-देवता पूजकों को पत्थरों से मारने और देवी-देवताओं की मूर्तियाँ तोड़ने का आदेश देने वाला और भगवान से नफरत करने वाला शैतान होता है कि नहीं? और ऐसे शैतान को तुम इसाई अपना खुदा क्यों मानते हो? सभा में सन्नाटा छा जाता है। एलेन डी लास्टिक की गर्दन जमीन में झुक जाती है। होंठ सिल जाते हैं, जबान को लकवा मार जाता है और इससे बोल नहीं फूट पाते।

स्थिति की नाजुकता और सवाल की गम्भीरता को देखते हुए नक्सली इसाई आतंकवादियों का एजेन्ट स्वामी अग्निवेश सवाल का जवाब न दिये जाने पर भी सभा की कार्यवाही आगे बढ़ा देता हैं। नवयुवक फिर उठता है और कहता है स्वामी जी आपने कहा कि किसी का कोई सवाल हो तो वह पूछ सकता है। क्या मेरे सवाल का जवाब नहीं मिलेगा? नक्सली इसाई आतंकवादियों का एजेन्ट स्वामी अग्निवेश नवयुवक की बात अनसुना करके कार्यवाही फिर आगे बढ़ाता हैं। नवयुवक फिर खड़ा हो जाता है। कहता है कि एलेन डी लस्टिक को मेरे सवाल का जवाब देना ही होगा। सूर्य चन्द्रमा व देवी-देवता पूजकों को पत्थरों से मारने का आदेश देने वाले, भगवान से नफरत करने वाले यीशु जिसमें शैतान है, को इसाई अपना खुदा क्यों मानते हैं?

प्रयागपीठ के शंकराचार्य माधवानन्द जी अपने बराबर में बैठे दिल्ली के आर्क बिशप एलेन डी लस्टिक का झुका हुआ सिर देखते हैं, और नवयुवक के चेहरे पर सत्य का तेज देखते हैं और कहते हैं कि इसका जवाब तो इसके पास नहीं है। पोप दीपावली 7 नवम्बर 99 को दिल्ली में आ रहा है, ये उससे पूछ कर आपके सवाल का जवाब देगा कि सूर्य चन्द्रमा व देवी देवता पूजकों को पत्थरों से मारने का आदेश देने वाले शैतान को इसाई अपना परमेश्वर क्यों मानते हैं? स्वामी जी ईसाईयत की शैतानियत पर सिर झुका कर बैठे एलेन डी लास्टिक की तरफ उपहास से देखकर फिर कहते हैं कि भद्रजनों। सदा सत्य जीत होती है। असत्य को झुकना ही पड़ता है।

सर्वसम्मति से पोप के स्वागत का प्रस्ताव पारित नहीं हो पाता।

नवयुवक सभा से फिर सवाल करता है कि यीशु के हाथ में कील ठोकी गयी, पैर में कील ठोकी गयी, प्रजा ने उसके मुंह पर थूका, जूतों से मारते हुए यीशु का शानदार जलूस निकाला। क्यों? इस सवाल का जवाब किसी के द्वारा न दिये जाने पर, नवयुवक बताता है कि बाइबिल के अनुसार येरूश्लम के महान राजा हेरोदेस ने प्रजा और न्यायशास्त्रियों के साथ यीशु के अन्दर शैतान पाया था।

पोप दिल्ली आता है और घोषणा करके जाता है कि इसाईयत की पहली सहस्राब्दी में हमने यूरोप को इसाई बनाया। दूसरी सहस्राब्दी में हमने अमेरिका, आस्ट्रेलिया, अफ्रीका आदि महाद्वीपों में इसाईयत का झण्डा फहराया। और इस सहस्राब्दी में हमें पूरे एशिया को इसाईयत के झण्डे तले लाना है।

उधर इस नवयुवक ने जब पोप की यह गर्वोक्ति सुनी तो यह नवयुवक मन ही मन बोला कि पोप। सूर्य-चन्द्रमा और देवी देवता पूजकों को पत्थरों से मारने वाले तेरे अधर्म इसाईयत की कब्र एशिया में ही खुदेगी और एशिया के भारत वर्ष की जिस राजधानी दिल्ली से तू पूरे एशिया को इसाई बनाने की गर्वोक्ति कर रहा है, आज से भगवान से नफरत करने वाली मर्म विरोधी इसाईयत की कब्र दिल्ली में ही खुदनी शुरू हो गयी है। यह सहस्राब्दी “बीसम बीसा, ईसा रहे न मूसा” की है। यह नवयुवक और कोई नहीं इस पुस्तक “यीशु में शैतान है” के लेखक और धर्म रक्षक श्री दारा सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मुकेश जैन है। श्री मुकेश जैन ने मुझे गुरु माना है।

पढ़िये “यीशु में शैतान है” अभियन्ता श्री मुकेश जैन की कलम से।

प्रथम संस्करण नववर्ष विशेषांक 5,000 प्रकाशित, नई दिल्ली, वर्ष प्रतिपदा संवत् 2060

छठा संस्करण वसंत पंचमी विशेषांक संवत् 2063 25000 प्रकाशित।

स्वामी अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी

संरक्षक

धर्म रक्षक श्री दारा सेना,

77 खेड़ा खुर्द, नई दिल्ली-82

011-22175044, 9868324025

हम सुधी व जागरूक पाठकों के आभारी हैं, जिन्होंने 7 वर्ष के अल्प काल में ही हमें इस पुस्तक का आठवाँ संशोधित संस्करण निकालने के लिए प्रोत्साहित किया है। एक लाख से अधिक प्रकाशित हो चुकी यह पुस्तक हिन्दी के साथ-साथ उड़िया और अंग्रेजी में भी प्रकाशित हो रही है। इन्टरनेट पर इसकी वीडियो सीडी भी उपलब्ध है जो कि यू ट्यूब पर मुकेश जैन जीसस शैतान लिखकर देख सकते हैं।

लेखक व प्रकाशक

यीशु में शैतान है

बाइबिल मरकुस 3 (22)

जब मैंने आँख खोली तो माघवदी 2 संवत् 2018, मंगलवार की सुबह हो चुकी थी। आम बच्चों की तरह मेरा भी लालन-पालन एक उच्च मध्यवर्गीय परिवार में हुआ, परिवार में माता श्रीमती सुपला देवी, पिता श्री महन्देपाल जैन, 2 बहनें रेणु जैन, चित्रा जैन और एक बड़ा भाई योगेश जैन और एक छोटे भाई लोकेश जैन के बीच में मेरा भी लालन-पालन होने लगा।

7 वर्ष की छोटी सी उम्र में, मैं भी अंग्रेजी स्कूलों की ओर झुका और मैंने भी अपने पिताजी से जिद करके आर्यसमाज विद्यालय छोड़कर “अंग्रेजी मान्टेसरी स्कूल” में कक्षा तीन में दाखिला ले लिया। तीसरी कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने के बाद मैंने फिर से उसी आर्यसमाज विद्यालय में दाखिला ले लिया

वक्त आगे बढ़ रहा था और मैं 11 वर्ष का हो गया। 7 साल की उम्र में जिस अंग्रेजी और अंग्रेजी स्कूल के प्रति चाह थी उसी अंग्रेजी से मुझे नफरत शुरू हो गयी। मुझे नहीं पता कि अंग्रेज, अंग्रेजियत और उनकी इसाईयत से मुझे नफरत क्यों हुई? मैंने अपने चारों ओर देखा मेरी जन्मभूमि शामली (मुजफ्फरनगर) उत्तर प्रदेश में कोई इसाई स्कूल, चर्च या इसाई, अंग्रेज या उनके अधर्मी क्रिया कलाप कुछ भी नहीं था। किसी गुरु ने या माता-पिता ने मुझे अंग्रेजियत से नफरत नहीं सिखाई। फिर भी मेरा रोम-रोम अंग्रेज, अंग्रेजी, अंग्रेजियत और अंग्रेजों के शैतानी अधर्म से नफरत कर रहा। सत्य में भगवान ने ही अंग्रेजी-अंग्रेज और अंग्रेजों के शैतानी अधर्म इसाईयत से नफरत मेरे रोम-रोम में कूट-कूट कर भर दी थी।

वक्त के साथ 18 वर्ष की उम्र में रुड़की विश्वविद्यालय में अभियांत्रिकी (इंजीनियरी) की पढ़ाई के लिये मुझे प्रवेश मिला। रुड़की विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यवाह के दायित्व का निर्वाह करते हुए मैंने वहां सरस्वती मंदिर परिसर में पहली बार संघ की शाखा ध्वज सहित लगवाई। इसी बीच हमने “अखिल भारतीय अंग्रेजी अनिवार्यता विरोधी मंच” का गठन किया। जिसका संस्थापक महामंत्री होते हुए हमने रुड़की में ही आई.आई.टी. की भरती परीक्षा केवल अंग्रेजी में ही लेने का उसकी उत्तरपुस्तिकाओं में परीक्षा भवन में ही मिट्टी का तेल छिड़क कर आग लगाकर विरोध किया। इस बीच आई. आई. टी. सहित अनेक भरती परीक्षाओं से अंग्रेजी की अनिवार्यता समाप्त हुई।

इस बीच इंजीनियरी की पढ़ाई पूर्ण होने के पश्चात दिल्ली में अभियन्ता पद पर कार्य किया और फुर्सत निकालकर मैंने अपना पक्ष झण्डेवाला राष्ट्रीय

स्वयं सेवक संघ के कार्यालय जाकर, तत्कालीन सह सर कार्यवाह परम पूजनीय रज्जू भईया को रखा कि यदि हमने अंग्रेजी की अनिवार्यता समाप्त कर दी तो यह विदेशी आतंकवादी अंग्रेज (इसाई) मिशनरियों को एक बड़ा आर्थिक झटका होगा। इनके स्कूल, अस्पताल इसीलिये चलते हैं क्योंकि आज बिना अंग्रेजी के नौकरी नहीं मिलती। मेरा पक्ष उन्होंने समझा और “अखिल भारतीय अंग्रेजी अनिवार्यता विरोधी मंच” को राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का सहयोगी संगठन बनाने का प्रस्ताव स्वयं उन्होंने रखा। अंग्रेजी की अनिवार्यता को समाप्त करने के लिये उनकी चिट्ठी लेकर मैं तत्कालीन भाजपा अध्यक्ष श्री मुरली मनोहर जोशी जी से भी मिला। कुछ अपरिहार्य कारणवश विशेषतः मेरे द्वारा दिल्ली छोड़कर अन्यत्र नौकरी करने के लिये चले जाने के कारण संघ का सहयोगी संगठन बनने का यह मामला परवान नहीं चढ़ सका।

इसी बीच एक प्रश्न फिर मेरे सामने बार-बार आने लगा। अंग्रेजों को लुटपाट, मन्दिर-मस्जिद तोड़ना, मूल निवासियों को मारना, हिन्दू-मुस्लिमों का धर्म भ्रष्ट करने की शैतानी शिक्षा देने वाला शैतान कौन है?

अंग्रेजों ने जिस देश पर भी अधिकार किया वहां के मूल निवासियों का भयानक नरसंहार किया। उनके मन्दिर तोड़ कर उन पर चर्च बना दिये। देवी देवताओं की मूर्तियों को तोड़ दिया। 500 साल पहले अमेरीका और गोवा में अंग्रेजों और पुर्तगालियों ने यही किया। 400 साल पहले आस्ट्रेलिया में अंग्रेजों ने यही किया, और आज भी ये यही कर रहे हैं। एक अंग्रेज (इसाई) राजा-रानी में शैतान हो सकते हैं। पर यहाँ तो हर इसाई राजा-रानी के अन्दर बैठा शैतान यहीं धर्म विरोधी शैतानियत का नंगा नाच करता है। यह शैतानियत का पाठ पढ़ाने वाला शैतान कौन है?

500 वर्ष पहले कोलम्बस नामक समुद्री लुटेरा भारत को खोजने निकला चलते-चलते जब उसको धरती दिखाई दी तो खुश हो गया, बोला कि मैं इण्डिया पहुँच गया। और आने वाले कुछ ही वर्षों में लुटेरे अंग्रेजों ने इस खोजे गये इण्डिया के 10 करोड़ रेड इण्डियनों का भयानक नरसंहार किया। सूर्य-चन्द्रमा और देवी-देवताओं के पूजक रेड इण्डियनों के मन्दिरों को तोड़ कर वहीं यीशु के चर्च बनवाये और उस कथित इण्डिया के देवी देवता और मूल निवासियों का भयानक विध्वंस करते हुए उस देश इण्डिया का नामोनिशान मिटा दिया। बाद में अंग्रेजों ने उस कथित देश का नामोनिशान मिटाकर एक लुटेरे अमेरीगी नाम के अंग्रेज के नाम पर उस कथित देश इण्डिया का नाम अमेरीका रख दिया।

वास्तव में कोलम्बस ने जिस भूमि को खोजकर उसका नामोनिशान इस धरती से मिटाया था, वह भारत था ही नहीं। वह तो पाताल लोक था। वहाँ तो सूर्य, चन्द्रमा और देवी-देवताओं को पूजने वाले महान धार्मिक इंक और माया संस्कृति के उपासक रहते थे। जो इसाईयत के नाम पर लुटेरे अंग्रेजों की शैतानियत और हैवानियत के शिकार हुए थे।

समुद्री लुटेरा कोलम्बस जो भारत खोजने निकला था। धर्म भूमि भारतभूमि के रक्षक भगवान द्वारा दिग्भ्रमित कर दिया गया था। सब जानते थे कि भारत पूर्व में है किन्तु कोलम्बस पश्चिम की तरफ भारत खोजने निकला और भारत के रक्षक भगवान ने हमें शैतान अंग्रेजों के चंगुल में पड़कर मरने से बचा लिया।

दूसरी घटना समुद्री लुटेरे अंग्रेज कुक (कथित कैप्टन कुक) द्वारा 400 वर्ष पूर्व आस्ट्रेलिया की खोज से हुई। लुटेरे शैतान अंग्रेजों ने इसाईयत के नाम पर वहाँ भी अपनी शैतानियत और हैवानियत का नंगा नाच किया। आस्ट्रेलिया के मियामी मूल निवासियों का भयानक नरसंहार। मन्दिरों और भगवानों की मूर्ति को तोड़ कर चर्च और यीशु की मूर्ति स्थापित की गई और मियामियों के उस देश का नामोनिशान भी मिटा दिया गया। 500 साल पहले लुटेरे अंग्रेजों ने इसाईयत के नाम पर शैतानियत का जो नंगा नाच अमेरीका में किया था। आस्ट्रेलिया भी उसी शैतानियत और हैवानियत का शिकार हुआ। किन्तु आस्ट्रेलिया के आदिवासियों ने मरते-मरते भी लुटेरे कुक को मौत के घाट उतार कर खूब अच्छा बदला लिया। अंग्रेजों की शैतानियत का यही नंगा खेल 400 वर्ष पूर्व श्रीलंका में स्पेन के गोरो ने खेला था। भगवान बुद्ध का पूजनीय दाँत मठ से उठाकर समुद्र में फेंक दिया। 2 करोड़ श्रीलंका के मूलनिवासियों का नरसंहार, बौद्ध मन्दिरों को तोड़कर उन पर यीशु के चर्च बना दिये गये।

500 वर्ष पूर्व ही समुद्री लुटेरे वास्कोडिगामा ने भारत खोजा और इसाईयत की शैतानियत का नंगा नाच गोवा में भी देखा गया। ब्राह्मणों को जबरदस्ती इसाई बनाना। भगवान को छोड़कर यीशु को पूजने को मजबूर करना। भगवान ओर देवी देवताओं की पूजा छोड़ने के लिये तैयार न होने पर ब्राह्मणों को जिंदा जला देना। तुलसी माता की पूजा करने वाली स्त्रियों को डायन बता कर जिन्दा जला देना। ब्राह्मण कन्याओं के साथ यीशु का पूजने वाले शैतान इसाई पुर्तगाली गोरे पादरियों द्वारा बलात्कार गोवा, दमन, दीव की विभीषिका बन गया।

अंग्रेजों की शैतानियत का यही नंगा नाच मैं आज अपने उत्तर पूर्वी राज्यों में देख रहा हूँ। ग्राम देवता, हनुमान और नाग पूजा करने वाले नागाओं के सभी मन्दिर अंग्रेज पादरियों ने तोड़ दिये। हिन्दू नागाओं को जबरदस्ती इसाई बनाया गया। जिस हिन्दू नागा ने इसाईयत की इस शैतानियत के आगे सिर झुकाकर अपने भगवान को नहीं छोड़ा उसके घर की माँ, बहन और बेटियों को शैतान अंग्रेज पादरियों ने डायन बताकर जिन्दा जला दिया। भारत सरकार ने भी संसद में सवाल संख्या 2712 के जवाब में 10 दिसम्बर 96 को बताया कि पूर्वोत्तर के इसाई आतंकवादियों को अंतर्राष्ट्रीय चर्च (अमेरिका, आस्ट्रेलिया, इंग्लैण्ड के चर्च) वित्तीय मदद करते हैं। जिसे इन इसाई आतंकवादियों द्वारा भारतीय सैनिकों को मारने के लिए अस्त्र शस्त्र खरीदने की सम्भावना से इन्कार नहीं किया जा सकता है। पिछले 15 वर्षों में 10 हजार से भी अधिक सैनिक पूर्वोत्तर में नागा, मिजो, बोडो, उल्फा, नक्सली आदि इसाई आतंकवादियों ने मारे।

मेरे आदरणीय पूर्व भाजपा सांसद श्री वैकुण्ठ लाल शर्मा 'प्रेम' (जिन्होंने मुझे धर्म और राजनीति का पाठ सिखाया), जब मैं सांसद था, उन्होंने एक घटना मुझे सुनाई। बोले मुकेश! बीस वर्ष पहले मैं नागालैण्ड गया। मंगलवार का दिन था। मैंने अपने ड्राइवर को शाम के समय कहा कि हनुमान जी को प्रसाद चढ़ाना है, आगे हनुमानजी के मन्दिर पर गाड़ी रोक लेना। यह सुनकर तब मेरा वह इसाई ड्राइवर हँसा और बोला, प्रेम जी नागालैण्ड में हनुमान जी का मन्दिर! आपके हनुमान जी का यहाँ कोई भी मन्दिर हम इसाईयों ने नहीं छोड़ा है। उन्हें तोड़कर हमने चर्च बना दिये हैं और हनुमान जी की मूर्तियों को तोड़कर हमने अजायबघर में रखवा दिया है।

रह-रहकर मेरे मन में एक सवाल उठता था कि इन लुटेरे अंग्रेजों और इसाईयों द्वारा देवी-देवताओं के मन्दिर तोड़ना, मूलनिवासियों को मारना, ये सभी विभिन्न काल की घटना है। कोई 500 वर्ष पुरानी, कोई 400 वर्ष पुरानी, कोई 300 वर्ष पुरानी। जिन्हें लुटेरे अंग्रेज इसाई बनाते हैं उन्हीं से उनका मन्दिर तुड़वा कर वहाँ चर्च बनवाते हैं और आज भी अंग्रेज और अंग्रेज पादरी भगवान व देवी देवताओं से नफरत करते हैं। महात्मा गांधी जी ने अंग्रेज पादरियों द्वारा बाल्मिकी मन्दिर को तुड़वाने की घटना का दुःखपूर्वक हरिजन में उल्लेख किया "मुझे पता चला कि कुछ अंग्रेज पादरियों ने मेरे कुछ बाल्मिकी भाइयों को इसाई बनाया। और इसाई बनाने के बाद जिस बाल्मिकी मन्दिर पर इन नये इसाईयों का कोई भी हक नहीं रह गया था, अंग्रेज पादरियों ने इन नये इसाईयों पर बाल्मिकी मन्दिर तुड़वाकर वहाँ चर्च बनवा दिया। पिछले दिनों शिव सेना, दिल्ली प्रदेश प्रमुख श्री जयभगवान गोयल ने भी घोषणा की कि उदल नगर, बाल्मिकी बस्ती, गाजियाबाद में पादरियों द्वारा नये इसाई बने बाल्मिकियों द्वारा बाल्मिकी मन्दिर को तोड़ कर बनाये गये चर्च को पुनः बाल्मिकी मंदिर में तब्दील किया जायेगा।

एक अंग्रेज के अन्दर शैतान हो सकता है। पर यहाँ तो हर अंग्रेज राजा हो या रानी हो सभी के शासन काल में मन्दिरों को तोड़कर चर्च बनाना। जबरदस्ती इसाई बनाना। इसाई न बनने पर हिन्दुओं की माँ व बहनों को डायन बताकर जिन्दा जला देना, यही शैतानियत लगातार चल रही है। ये सब विभिन्न काल और भिन्न-भिन्न अंग्रेज राजा और रानियों के शासनकाल में घटी शैतानियत की एक ही तरह की घटनाये हैं, फिर वह शैतान कौन है? जो हर अंग्रेज इसाई राजा रानी के अन्दर बैठ जाता है।

मुझे इस सवाल का जवाब खोजना था। मुझे 11 वर्ष ही उम्र से ही अंग्रेज, अंग्रेजी और अंग्रेजों के शैतानी अधर्म से नफरत थी। हाँ मेरे अन्दर भगवान ने अंग्रेज पादरियों, अंग्रेज ननों के लिए भी पूरी नफरत भरी थी। 27 साल तक मैं उस नफरत की ज्वाला में जलता रहा, किन्तु मुझे नहीं पता कि लुटेरे अंग्रेजों की इसाईयत से मैं नफरत क्यों करता हूँ? 11 वर्ष की उम्र में लुटेरे अंग्रेजों के

शैतानी अधर्म से नफरत का बीज अंकुरित हुआ था, 38 वर्ष की मेरी उम्र में अंग्रेजों और उनकी इसाईयत से नफरत शौलों का रूप ले चुकी थी। यही कारण था कि जिस दिन मैंने 25 जनवरी 99 के समाचार पत्रों में पढ़ा कि पुरलिया में हथियार गिराने वाले नरपिशाच आस्ट्रेलियायी अंग्रेज ग्राहम स्टेन्स और उसके दो बच्चों को उड़ीसा के मनोहरपुर में बजरंग दल के क्यौंझर जिला के संयोजक दारा सिंह ने जिन्दा जला दिया, तो मुझे जिंदगी में सबसे अधिक खुशी हुई। और यह वह खुशी थी, जो मुझे तब भी नहीं मिल सकती थी जबकि मुझे हीरो-जवाहरातों और सोने-चांदी से भरा महल मिल जाता।

किन्तु सवाल फिर भी अपनी जगह था, मुझे अंग्रेजों और उनकी इसाईयत से जन्मजात नफरत क्यों? जहाँ चाह है वहाँ राह भी है! जहाँ सवाल है वहाँ जवाब भी है। मैं क्यों इसाईयत के प्रति नफरत के शौलों में जल रहा हूँ। इसका जवाब भगवान में मुझे आखिर दे ही दिया। और यह जवाब मुझे गीता से नहीं मिला, रामायण से नहीं मिला, महाभारत से नहीं मिला, यह जवाब मुझे सत्यार्थ प्रकाश के तेरहवें सम्मुलास से भी नहीं मिला।

यह जवाब मिला मुझे स्वामी अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी जी के साप्ताहिक पत्र मुजाहना से। जिसमें स्वामी अयोध्या प्रसाद त्रिपाठी जी ने बाइबिल की कुछ आयतों का उल्लेख किया। बाइबिल के व्यवस्था विवरण अध्याय की आयत 17 (2-5) पृष्ठ संख्या 276 में इसाईयों के खुदा का आदेश है कि इसाईयों! जीती धरती के सूर्य-चन्द्रमा व देवी-देवताओं के पूजक स्त्री पुरुषों को तुम इसाई पत्थरों से मार दो। इसी बाइबिल के व्यवस्था विवरण अध्याय की आयत 12 (1-4) पृ. संख्या 299 के अनुसार इसाईयों के खुदा का आदेश है कि इसाईयों! जीती धरती के मूलनिवासियों और देवी-देवताओं को सदा-सदा के लिये नष्ट कर दो। ताकि जीती धरती से उनका सदा-सदा के लिये नामोनिशान मिट जाये।

इसी बाइबिल के व्यवस्था विवरण अध्याय की आयत 20 (10-15) में इसाईयों के खुदा का आदेश लिखा है कि इसाईयों! जीती धरती के सब पुरुषों को तलवार से मौत के घाट उतार दो, जीती धरती की तेरे शत्रु की स्त्रियाँ लूट का माल है। जो तेरे खुदा ने मुझे भोग करने के लिये दी है, उनसे तू (इसाई) भोग कर।

अंग्रेजों और उनके शैतानी अधर्म से नफरत करने वाले मेरे सवाल का जवाब मुझे मिल गया था, लुटेरे अंग्रेजों को लूटपाट के साथ-साथ मन्दिरों को तोड़कर चर्च बनाने और देवी-देवता पूजकों को पत्थरों से मारने का आदेश देने वाला शैतान मैंने जान लिया था। किन्तु यह शैतान भी राक्षस हिरण्यकश्यप की तरह अपने आपको भगवान ही कहता था, और जो इस शैतान को नहीं पूजता था, उसके लिये राक्षस हिरण्यकश्यप की तरह इस शैतान ने भी मौत की सजा मुकर्र कर रखी थी।

शैतान का काला चेहरा बेनकाब

शैतान मेरे सामने आ चुका है। अब मैं उसका काला चेहरा बेनकाब कर रहा हूँ। शैतान की काली छाया धर्मभूमि भारत भूमि पर पड़ चुकी है। शैतान ने अपने चेहरे पर मासूमियत ला रखी है, शैतान के लाखों अनुयायी रात-दिन लुटेरे अंग्रेजों के लूट-पाट के माल से वेतन पाकर करोड़ों हिन्दुओं को शैतान के चंगुल में फँस चुके हैं। और मुझे तब तक चैन नहीं मिलेगा, जब तक मेरा एक-एक हिन्दू भाई इस कब्र से भागे शैतान के चंगुल से बाहर नहीं निकल आता।

यीशु को सूली पर लटकाने का राजदण्ड

येरूश्लम के महान राजा ने यीशु में शैतान पाया।

बाइबिल मत्ती 14 (1-2), बाइबिल मरकुस 6 (14-16)

फिर मेरे मन से एक सवाल उठा। यीशु के हाथ में कील ठोकी गयी, पैर में कील ठोकी गयी, येरूश्लम की पूरी प्रजा ने यीशु के मुँह पर धूकते हुए और उसे जूते मारते हुए एक शानदार जलूस निकाला। और येरूश्लम के महान रोमन सम्राट हेरोदेस के द्वारा दिये गये राजदण्ड का पालन करते हुए यीशु को सूली पर चढ़ा दिया गया। मेरे मन में सवाल उठता है कि राजा द्वारा गिरफ्तार किये गये अपराधी यीशु का अपराध क्या था? जो कि राजा ने उसे सूलीपर चढ़ाने का राजदण्ड दिया? राजा ने क्या पाकर यीशु के हाथ पैर में कील ठोक कर उसे सूली पर चढ़ाने का कठोर दण्ड दिया?

बाइबिल के अनुसार यह एक राज दण्ड था, जो कि जनता की बेहद मांग पर दिया गया। बाकायदा अपराधी यीशु को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया। येरूश्लम से न्यायशास्त्री गये, उन्होंने यीशु को देखकर कहा कि इस में (यीशु में) शैतान है, बाइबिल मरकुस 3 (22)। येरूश्लम की पूरी प्रजा का कहना था कि भूतों का सरदार बालजबूल यीशु के अन्दर वास करता है।

राजा ने भी यीशु को देखकर कहा कि यूहन्ना नामक जिस शैतान का सिर मैंने काटा था, वह शैतान इसके (यीशु) अंदर आ चुका है। वास्तव में राजा, प्रजा और न्यायशास्त्रियों ने यीशु के अन्दर हर बार शैतान पाया था। येरूश्लम की पूरी प्रजा का कहना था कि यीशु में दुष्टात्मा है। बाइबिल मत्ती 11 (18)

Every one said, He has a demon in him. - Bible Matthew 11 (19)

इसी के साथ फरीसियों ने भी कहा कि यह तो दुष्टात्माओं के सरदार की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता है। बाइबिल मत्ती 8 (34)

यीशु का भूत चेलों को मरने के बाद दिखाई दिया

परन्तु वे (यीशु के चेले) घबरा गये और डर गए, और समझे कि हम किसी भूत (यीशु के भूत) को देख रहे हैं। बाइबिल लूका 24 (37)

After death Jesus appears to his disciples. They (disciples) were terrified, thinking that they were seeing a ghost. Bible luke 24 (37)

परन्तु उनमें (प्रजा में) से कुछ ने कहा यह तो बालजबूल नामक दुष्टात्माओं के प्रधान की सहायता से दुष्टात्माओं को निकालता है। बाइबिल लूका 11 (15)

Some teachers of law who had come from Jerusalem were saying, "He (Jesus) has beelzebul in him. It is the Chief of the demons who gives him the power to drive them out.

आप भगवान को क्यों पूजते हैं?

अब एक सवाल आप पाठकों से मैं पूछ रहा हूँ कि आप भगवान को क्यों पूजते हैं? या एक हिन्दू भगवान को क्यों पूजता है? (पाठकों से अनुरोध है कि आगे पढ़ने से पहले इस सवाल का जवाब लिखें या बोलें)

यह सवाल मैंने सैकड़ों लोगों से पूछा और सही जवाब तीन व्यक्तियों ने दिया कि हम हिन्दू भगवान को इसलिये पूजते हैं कि चौरासी लाख योनियों के जन्म-मरण के चक्रव्यूह को तोड़कर हमारी आत्मा परमात्मा में विलीन हो जाये। अर्थात् हम मोक्ष प्राप्त करें। अब सवाल उठता है कि शैतान को पूजोगे तो क्या मिलेगा? जाहिर सी बात है कि जो भगवान को पूजने से मिलता है उसका ठीक उल्टा। अर्थात् शैतान कभी नहीं चाहेगा कि आप जीवन-मरण के चक्रव्यूह से कभी मुक्त हो अर्थात् मोक्ष कभी भी प्राप्त न करें, यह शैतान की इच्छा है। हिन्दू धर्म छोड़कर शैतान के चंगुल में फंस चुके मेरे हिन्दू भाई अनन्त काल तक कब्र में पड़े कीड़ों द्वारा नीचे जा रहे हैं, और उनके यह कष्ट अरबों-खरबों वर्ष कयामत तक चलेगें। कहीं 75 वर्ष के गरीब हिन्दू का पलभर का जीवन और कहीं अमीरी के लालच में इसाई बनने पर अरबों-खरबों वर्षों अर्थात् अनन्त काल के कष्ट।

बाइबिल में यीशु खुद कहता कि तुम मुझे पूजो मैं तुम्हें अनन्त जीवन दूंगा। अनन्त जीवन का अर्थ है कि यीशु कभी भी तुम्हें जन्म-मरण के चक्रव्यूह से मुक्त नहीं होने देगा। इसाई बन चुके हिन्दू का मरने के बाद पुनर्जन्म नहीं होता। वह अनन्त काल तक कब्र में पड़ा उस घड़ी को कोसतमा है जब वह इसाई बनकर यीशु जिसमें शैतान है को पूजने लगा।

मेरे धर्म भ्रष्ट, पतित हिन्दू भाई जिन्होंने यीशु जिसमें शैतान है, को अज्ञानता और पोप के नक्सली इसाई आतंकवादियों के भय वश अपना तारण हारा माना है, भगवान और शैतान के इस रहस्य को जानेंगे। और मरने से पहले फिर से भगवान राम की शरण में आयेंगे। तभी उनका उद्धार होगा।

इसाईयों का देवी-देवताओं के प्रसाद में नफरत करने का रहस्य

यहाँ मैं अपने साथ बीती एक घटना का उल्लेख कर रहा हूँ। धर्म रक्षक श्री दारा सिंह की जय-जयकार के सिलसिले में जब उड़ीसा गया तो उड़ीसा सरकार ने मुझे गिरफ्तार कर लिया। इस बीच मैं धर्मरक्षक श्री दारासिंह के साथ बारीपदा जेल में एक माह और दाराभाई के साथियों के साथ करजिया जेल में एक माह रहा। वहीं दारा भाई ने मुझे बताया था कि पिशाच पूत्रक ग्राहम स्टेन्स उसकी बीवी और बच्चे भगवान के प्रसाद से नफरत करते थे। उनके अनुसार भगवान के प्रसाद से नफरत करना बाइबिल के खुदा यीशु का आदेश है।

पिछले दिनों मैं इन्दौर गया तो रास्ते में रेल में एक यात्री से बातचीत हुई तो उसने भी यही बताया कि मैंने कई परिचित इसाईयों को प्रसाद खाने के लिये देना चाहा, पर उन्होंने इंकार कर दिया। मैंने उन्हें कहा कि मिठाई समझकर ही ले लो परन्तु उन्होंने कतई इंकार कर दिया। मेरे साथी सहयात्री ने मुझसे आग्रह करके कहा, मुकेश जी! आप तो इसाईयत के जानकार हो, आप मुझे बताइये कि इसाई भगवान के प्रसाद से नफरत क्यों करते हैं? मैंने कुछ देर भगवान का मनन किया, फिर चिन्तन करके मैंने उस सहयात्री से कहा कि सच्चाई को तुम पचा सकते हो तो मैं बताऊँ? सहयात्री बोला मुकेश जी! आप बताओ तो सही, मैं सच्चाई जानना चाहता हूँ।

मैंने उस सहयात्री के सवाल का जवाब देने से पहले उससे ही एक सवाल पूछा कि यदि तुम शैतान, भूत या पिशाच के चंगुल में फंस जाओ और शैतान तुम्हारे पर कब्जा करके तुम्हारे अन्दर बैठ गया हो या शैतान ने तुम्हारे दिलोदिमाग पर कब्जा कर लिया हो, और कब्जा भी ऐसा कि तुम शैतान को ही पूजने लगे हो। ऐसे में यदि तुमने भगवान का प्रसाद खा लिया तो क्या शैतान, भूत पिशाच तुम्हारे हृदय में बसा रह सकता है? **सहयात्री ने सोचकर कहा कि भगवान का प्रसाद खाने से शैतान को मेरे अन्दर से निकलना ही होगा।** मेरे दिल में बैठे मेरे पर कब्जा किये शैतान के राज्य में मेरे द्वारा भगवान का प्रसाद खाते ही खलबली मचना निश्चित ही है। शैतान को मेरे अन्दर से भागना ही होगा।

मैंने कहा कि इसाई भगवान का प्रसाद खाने से इसलिये इंकार करते हैं, क्योंकि ईसामसीह भगवान से नफरत करता है, बाइबिल के व्यवस्था विवरण अध्याय की आयत 17 (2. 5) में यीशु का आदेश है कि सूर्य-चन्द्रमा व देवी-देवता पूजक स्त्री-पुरुषों को तुम इसाई पत्थरों से मार हो। और बाइबिल के अनुसार यीशु के हाथ पैर में कील ठोक कर मौत की सजा का राजदण्ड देने वाले बेरुशलम के महान राजा हेरोदेस ने यीशु के अन्दर शैतान पाकर ही अपराधी

यीशु को सूली पर चढ़ाने का राजदण्ड दिया था। येरूश्लम की महान सम्पूर्ण प्रजा ने भी भूतों का सरदार बालजबूल यीशु के अन्दर पाया था। न्यायधीशों ने भी यीशु के अन्दर शैतान पाया था। और यह भी एक सच्चाई है कि बाइबिल में कहीं भी राजा-प्रजा और न्यायधीश किसी को भी झूठा नहीं कहा गया। क्यों कि सच्चाई भी यही थी कि यीशु भगवान से नफरत करता है और भूतों का सरदार बालजबूल इसके अन्दर वास करता है। बाइबिल मत्ती 12 (24), मरकुस 3 (22)। बाइबिल में यीशु खुद कहता है कि मैं इस धरती पर आग लगाने आया हूँ। तू सोचता है कि मैं सुलह करवाले आया हूँ मैं तो यहीं तलवार चलवाने आया हूँ। बाइबिल मत्ती 10 (31,34) में यीशु खुद कहता है कि मेरे उन शत्रुओं को जो मुझे अपना राजा नहीं मानते मेरे सामने लाकर मार दो।

साफ़ सी बात है कि यीशु भगवान से डरता है और जिस भी इसाई ने भगवान का प्रसाद खाया तो निश्चित ही यीशु को उसे छोड़ कर भागना होगा। यीशु का उसके दिलोदिमाग पर से कब्जा खत्म हो जायेगा।

सहयात्री ने कहा मुकेश जी मान गये आपको, वास्तव में आपका जवाब लाजवाब है।

यीशु मरना क्यों चाहता था?

सहयात्री ने फिर मुझसे एक सवाल किया कि मुकेश जी यीशु तो मर गया, राजा ने उसको सूली पर चढ़ा कर मार दिया था, फिर यीशु तीसरे दिन जिन्दा हो गया और उसके बाद यीशु का क्या हुआ? बाइबिल इसके बारे में क्या कहती है? यीशु जब उतना ताकतवर था तो मरा कैसे?

मैंने अपने सहयात्री को कहा कि भाई इसमें भी एक विचित्र कहानी है। बाइबिल कहती है कि यीशु के तेरहवें शिष्य यहूदा ने उसको पकड़वा दिया, और इसीलिये इसाई तेरह को अपसकुन मानते हैं। इसाई देशों में तेरहवीं मंजिल नहीं होती, तेरह नम्बर का कमरा भी नहीं होता।

मैंने सहयात्री से एक सवाल फिर किया, मैंने उससे कहा कि आप भूतों की पिक्चर देखते हो? सहयात्री ने कहा हाँ कई बार देखी है। मैंने सहयात्री से फिर पूछा कि कौन-कौन सी भूतों कि पिक्चर देखी है? सहयात्री ने कहा कि कई देखी हैं, जैसे बन्द दरवाजा, पुरानी हवेली, वीराना। मैंने सहयात्री से फिर पूछा कि अच्छा यह तो बताओ कि शैतान का कहर कब टूटता है। अर्थात् शैतान कब जागता है? सहयात्री ने कुछ सोचने के बाद जवाब दिया कि शैतान के ताबूत का ढक्कन जब गलती से या जिज्ञासावश कोई खोल देता है तो शैतान कब्र से उठ खड़ा होता है। और उसका कहर उस नगर पर उस देश पर बरपता है।

मैंने सहयात्री से सहमति जताते हुए कहा कि शैतान ताकतवर तभी बनता है जब वह कब्र से निकल कर भागता है। और शैतान के ताकतवर बनने के लिये उसका मरकर कब्र से निकलकर भागना जरूरी है।

बाइबिल मरकुस 3 (22) के अनुसार यीशु जिसके अन्दर शैतान पाया गया। उसकी मृत्यु भी यीशु के द्वारा रचे एक षड्यन्त्र का ही हिस्सा है। यीशु जानता था कि यहूदा नाम का उसका एक शिष्य उसे पकड़वायेगा, बाइबिल मत्ती 26 (25-26)। यीशु जानता था कि मरकर तीसरे दिन वह (यीशु) कब्र से उठ खड़ा होगा बाइबिल मत्ती 16 (21), मरकुस 8 (31)। येरूश्लम के महान राजा हेरोदेस को भी शक था कि कहीं यीशु जिसके अन्दर शैतान पाया गया, कब्र से उठ कर भाग खड़ा न हो। इसलिये राजा कब्र पर भारी-भारी पत्थर रखवाता है। परन्तु राजा ने जिस शैतान की कब्र पर भारी पत्थर रखवा कर उसे निकलने से रोकना चाहा था, वह शैतान बहुत ताकतवार निकला। और तीसरे दिन ही कब्र से भाग खड़ा हुआ। और बाइबिल के अनुसार यह भी सच है कि कब्र से निकलने के बाद जितनी बार भी यीशु जिस किसी को भी जहाँ कहीं दिखायी दिया सबने उसे भूत-पिशाच के रूप में ही देखा ओर देखते ही भाग खड़े हुए।

यीशु जिसमें शैतान है, मरकर जिन्दा होने के बाद कहाँ है?

रेल के मेरे सहयात्री ने जिज्ञासावश फिर एक सवाल किया कि यीशु ने तो अपने मारने वालों को भी क्षमा कर दिया था, यीशु ने सूली पर दम तोड़ते वक्त कहा था ओ मेरे खुदा! इन्हें माफ करना, क्योंकि ये नहीं जानते कि ये क्या कर रहे हैं? बाइबिल लूका 23 (34)।

मैंने सहयात्री से कहा कि यीशु ने सच ही कहा था कि उसे मारने वालों को पता ही नहीं था कि वे क्या करने जा रहे हैं। मैंने कहा कि वास्तव में यह सब यीशु द्वारा रची साजिश के तहत ही हो रहा था। यीशु की रची साजिश के तहत ही यीशु को उसके तेरहवें शिष्य यहूदा ने पकड़वाया था। यीशु अपनी ताकत बढ़ाने के लिये मरकर कब्र से निकलना चाहता था और यीशु ने अपने शिष्यों को समझा भी दिया था कि तुम चिन्ता न करना मैं मरकर तीसरे दिन कब्र से निकल जाऊंगा बाइबिल मत्ती 16 (21), मरकुस 8 (31) यही हुआ भी यीशु मरने के तीसरे दिन कब्र के भारी-भारी पत्थरों को लुढ़का कर कब्र से बाहर निकल भागा और यीशु बाइबिल मरकुस 3 (22) के अनुसार जिसके अन्दर शैतान है, आज तक पिशाच योनि में जिन्दा है। बाइबिल में यीशु के कब्र से जिन्दा उठ खड़े होने के बाद उसके मरने का कहीं भी उल्लेख नहीं है। और इसका कहर पूरा संसार पिछले 2000 वर्षों से झेल रहा है।

सह यात्री को मेरी बातें आश्चर्यजनक किन्तु दमदार लगी। उसने फिर जिज्ञासा की कि क्या किसी की आयु 2000 वर्ष भी हो सकती है? मैंने सहयात्री को बताया कि पृथ्वी पर जीवित प्राणियों में कछुए की आयु 1000 वर्ष की है। मैंने अपने पिताजी से पूछा था कि जैन शास्त्रों के अनुसार भूत, पिशाच, शैतान, जिन्न आदि की आयु कितनी होती है? मेरे पिताजी ने मुझे बताया कि दस हजार वर्ष तक।

यीशु ने रची मरकर जिन्दा होने की साजिश

यीशु अपने चेलों को बताने लगा कि मेरे लिए आवश्यक है कि मैं येरूश्लम जाऊँ, और पुरनियों और महा याजकों और शास्त्रियों के हाथ बहुत दुख उठाऊँ और मार डाला जाऊँ और तीसरे दिन जी उठूँ। बाइबिल मत्ती 16 (21), मरकुस 8 (31)

जब वें (यीशु के चेले) गलील में थे तो यीशु ने उनसे कहा, मनुष्य का पुत्र मनुष्य के हाथ में पकड़वाया जायेगा और वें (राजा) उसे (यीशु को) मार डालेंगे, और वह तीसरे दिन जी उठेगा। बाइबिल मत्ती 17 (21-36)

यीशु के चेलों ने कहा कि तुम से एक मुझे पकड़वायेगा। उसको पकड़वाने वाले यहूदा ने कहा हे रब्बी! क्या वह मैं हूँ? यीशु ने उससे कहा कि तू कह चुका है। बाइबिल मत्ती 26 (21-26)

उस भरमाने वाले ने (यीशु ने) अपने जीते जी कहा था कि मैं तीन दिन बाद जी उठूंगा, सो वें पहरेदारों को साथ लेकर गये और कब्र के पत्थर पर मोहर लगा कर कब्र की रखवाली की। बाइबिल मत्ती 27 (63-66)

यीशु ने अपने चेले को यह आज्ञा दी कि जब तक मैं मरे हुआँ में से जी न उठूँ, तब तक जो कुछ तुमने देखा है। वह किसी से न कहना। बाइबिल मत्ती 16

यीशु में शैतान है का सबूत

सहयात्री को मेरी बातें रोचक लगी और बोला मुकेश जी! मुझे विश्वास ही नहीं होता कि बाइबिल के अनुसार राजा हेरोदेस ने यीशु के अन्दर शैतान पाया। आप कहीं झूठ तो नहीं बोल रहे। मैं भी पक्का था सबूत हमेशा साथ रखता था। मैंने अपना ब्रीफकेस खोला बाइबिल निकाली और बाइबिल सासाइटी आफ इण्डिया, बंगलौर से प्रकाशित हिन्दी बाइबिल के मरकुरा अध्याय की आयत 3 (22) खोली जिसमें लिखा है येरूश्लम से न्यायशास्त्री यीशु को देखने आये और उन्होंने कहा कि उसके (यीशु के) अन्दर शैतान है। मैंने अपने पास रखी अंग्रेजी बाइबिल के मार्क्स अध्याय की आयत 3 (22) खोली जिसमें लिखा था *"He (Jesus) has satan in him"*

शैतान की शैतानियत का कहर

इसाई आतंकवाद, इसाई अनायालयों के बच्चों के द्वारा फैलाया जा रहा माओवादी नक्सली इसाई आतंकवाद व इसाई न बनने पर हिन्दू महिलाओं को डायन बताकर जिन्दा जलाना।

सहयात्री बोला मान गये मुकेश जी! आपको। आपने मेरी आंखें खोल दी। मैं तो यीशु को प्रेम का देवता समझता था पर इसमें तो सचमुच ही शैतान है। पर आप कहते हैं कि यीशु आज भी जिन्दा है और उसकी शैतानियत का कहर पूरे संसार पर बरस रहा है। वह कैसे?

मैंने सहयात्री से कहा भाई तुमने पहाड़ी वनवासी क्षेत्रों के इसाई पादरियों व ननों की सेवा के किस्से तो सुने ही होंगे, कितने अस्पताल खोलते हैं, मुफ्त दवाई देते हैं, मुफ्त स्कूल खोलते हैं। इसाई मिशनरियों द्वारा अनाथालयों में कितनी सेवा होती है। सुनामी हो या उड़ीसा का चक्रवात तूफान या लातेहर का भूकम्प। जहाँ भी अनाथ बच्चे होते हैं। चील कोओं की तरह इसाई पादरी व नने वहाँ के अनाथ बच्चों पर झपट पड़ते हैं। उनके एजेन्ट बिकाऊ टी वी चैनलों पर खास तौर से इसाई अनाथालयों के बच्चों की खुशहाली व नये-नये कपड़े पहनाते हुए प्रोग्राम दिखाये जाते हैं। इसी के साथ इन पहाड़ी आदिवासी क्षेत्रों में आतंकवाद की खबर भी आप पढ़ते होंगे। नागालैण्ड में नागा आतंकवादियों ने 22 जवानों को मार दिया, मिजोरम में मिजो आतंकवादियों ने सेना की टुकड़ी पर घात लगा कर हमला किया, 12 सैनिक शहीद हो गये। असम में बोडो आतंकवादियों ने तेल की पाइप लाइन को बम्ब से उड़ा दिया। त्रिपुरा में त्रिपुरा नेशनल वाइलेन्टर फोर्स के आतंकवादियों ने चाय बागान के मैनेजर को उठा लिया और 20 करोड़ की फिरौती के बाद छोड़ा। झारखण्ड में आदिवासियों ने डायन बताकर ओझा परिवार की हिन्दू औरत को पति व बच्चों सहित जिन्दा जला दिया। और आन्ध्रप्रदेश में पी डब्ल्यू जी के नक्सली आदिवासियों ने पुलिस जीप पर बम्बों से हमला किया, 11 पुलिस के सिपाही मौके पर ही मारे गये। बिहार में माओवादियों ने पुलिस थाने को बम्ब से उड़ा दिया। मौके पर ही 22 सिपाहियों के चिथड़े उड़ गये। छत्तीसगढ़ के इसाई बहुल बस्तर में घात लगाकर 76 सैनिकों के बमों से चिथड़े उड़ा दिये। भूकम्प में तबाह हुए लातेहर में नक्सली आतंकवादियों ने 12 जवानों का घात लगा कर मार दिया।

मैंने सहयात्री से पूछा यें आतंकवादी कौन हैं? ये किसे पूजते हैं कौन उन्हें यह शैतानियत सिखाता है? सहयात्री जवाब के बदले मेरी तरफ देखने लगा। और जब मैंने उसे बताया कि यह सब यीशु का ही खेल है। यें सभी आतंकवादी इसाई हैं, और अमेरिका, इंग्लैण्ड, आस्ट्रेलिया आदि अंग्रेजी इसाई देशों के चर्च इन्हें अस्त्र-शस्त्र और पैसों की मदद करते हैं, तो सहयात्री सीट से उछल पड़ा बोला मुकेश जी! आप क्या बोल रहे हैं? बोलने से पहले तोल तो लिया करो?

मैंने उसे कहा कि दूर क्यों जाते हो अभी पिछली 7-8 जनवरी 03 को भारत सरकार ने नागालैण्ड के इसाई आतंकवादियों के दो सरगनाओं इसाक और मुइबा से दिल्ली में बातचीत की थी या नहीं? सहयात्री बोला मुकेश जी! बातचीत तो की थी, पर फर्क है। आप जिन्हें इसाई आतंकवादी कह रहे हैं, भारत सरकार इन्हें नागा नेता कह रही थी। मैंने सहयात्री से कहा भाई नागालैण्ड में इसाई कितने प्रतिशत हैं? सहयात्री बोला कि पूरा नागालैण्ड ही इसाई है, वहाँ इसाईयों की आबादी लगभग 90 प्रतिशत है। मैंने कहा कि भाई इन 90 प्रतिशत इसाईयों के नेता हिन्दू होंगे या इसाई? सहयात्री बोला कि जाहिर सी बात है इसाई। हाँ! मुझे याद आया अब तो नागालैण्ड फॉर क्राइस्ट की मांग की जा रही है। पूरे देश में रविवार को पोलियो की खुराक पिलायी जाती है और नागालैण्ड में रविवार को छोड़कर किसी अन्य दिन। क्योंकि इसाई अंग्रेज रविवार के दिन

काम करना बाइबिल के आदेश के विरुद्ध मानते हैं। यही कारण है कि अंग्रेजी राज में रविवार की छुट्टी होती है।

मैंने सहयात्री में कहा इन नगालैण्डी इसाई आतंकवादियों के सरगना इसाक-मुइवा कितने सैनिकों को मार चुके हैं? सहयात्री बोला कि पूर्वोत्तर में तो रोज ही हमारे सैनिकों को मारा जा रहा है। आये दिन ही कभी 10 कभी 20 और कभी 30-30 भारतीय सैनिकों के परखचे बम्ब लगा कर आतंकवादी उड़ा देते हैं। मैंने सहयात्री से कहा कि इन आतंकवादियों से सरगना कौन है? सहयात्री बोला कि इसाक-मुइवा नामक ये इसाई ही इनके सरगना है। मैंने कहा कि समझदार हो गये हो। पूर्वोत्तर के सभी पहाड़ी गिरोहों के आतंकवादी भी इसाई हैं और उनके सरगना भी इसाई ही हैं। चाहे वह लालड़ेगा हो या परेश बरूआ इसीलिये ये सभी इसाई आतंकवादी गिरोह हैं।

मैंने फिर बताया कि भारत सरकार ने भी 10 दिसम्बर 96 को संसद में बताया था कि पूर्वोत्तर के इसाई आतंकवादियों को अन्तर्राष्ट्रीय चर्च वित्तीय मदद करता है, जिससे इन इसाई आतंकवादियों द्वारा भारतीय सैनिकों को मारने के लिये अस्त्र-शस्त्र खरीदने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता और पिछले 15 वर्षों में हमारे 10 हजार से भी अधिक सैनिकों को ये इसाई आतंकवादी मार चुके हैं। मैंने अपनी बात को जारी रखते हुए कहा कि पुरलिया में हवाई जहाज से जो खतरनाक ए. के. 47, ए. के. 56 आदि हथियार गिराये गये थे, भारत सरकार की सी.बी. अन्तर्राष्ट्रीय सी बी आई जैसी खुफिया जांच एजेंसियों की रिपोर्टों के अनुसार इंग्लैण्ड के चर्च ने ही ये हथियार इसाई आतंकवादियों के लिये गिराये थे। इस मामले में आतंकवादी अंग्रेज किम डेवी फरार है। आतंकवादी अंग्रेज पादरी पीटर ब्लीच कलकत्ता की प्रेजिडेंसी जेल में सजा काट रहा है। और भारत सरकार सैनिकों के हत्यारे इस शैतान इसाई पादरी पीटर ब्लीच को इंग्लैण्ड के कई बार के अनुरोध पर छोड़ने का मन बना चुकी है। किन्तु हमारे द्वारा किये जा रहे विरोध का जवाब देना उनको भारी पड़ रहा है। अब सरकार इसाई आतंकवादियों के सरगना पीटर ब्लीच अंग्रेज को छोड़ने के लिए दिल्ली हाईकोर्ट की मदद ले रही है। ताकि कोर्ट के निर्णय की आड़ में जनता को बेवकूफ बनाया जा सके। भाई यह सब यीशु का ही खेल है। हथियार गिराने वाले पकड़े गये किन्तु हथियार उठाने वाले का नाम पता सी.बी.आई. आजतक नहीं जानती। परन्तु हथियार उठाने वाला इसाई आतंकवादियों का सरगना अंग्रेज ग्राह्म स्टैन्स उड़ीसा के हिन्दू वीरों द्वारा जिन्दा जला दिया गया। (सरकार कहती है कि दारा सिंह द्वारा जिन्दा जलाया गया।)

यीशु जिसके अन्दर शैतान पाया गया बाइबिल में स्वयं कहता है कि इसाईयों! जीती धरती के मूल निवासियों और देवी-देवताओं को सदा के लिये नष्ट कर दो ताकि उस देश से उनका नामोनिशान तक मिट जाये बाइबिल व्यवस्था विवरण 12 (1-5)। यही कारण है कि यीशु जिसके अन्दर शैतान पाया गया को पूजने वाले अंग्रेजों ने अमेरिका के 10 करोड़ रेड इण्डियनों का भयानक नरसंहार यीशु के इन्हीं शैतानी आदेशों को मानकर किया, आस्ट्रेलिया के 5

करोड़ आदिवासी भी इसाईयत की इसी शैतानी हिंसा के शिकार हुए। उनके मन्दिर और सूय-चन्द्रमा व देवी-देवताओं की सभी मूर्तियाँ भी शैतानियत के उपासक लुटेरे अंग्रेजों ने तोड़ दी। आखिर क्यों न तोड़े, यीशु भगवान का दुश्मन जो ठहरा। सहयात्री मेरी बातें सुन कर माथा पीटने लगा, कहने लगा कि यह तो बहुत बड़ा दुष्ट है।

मैंने सहयात्री को कहा कि मुसलमानों के पैगम्बर मोहम्मद साहब इस दुष्ट की दुष्टता को जानते थे। तभी तो उन्होंने कुरान की आयत में मुसलमानों को स्पष्ट आदेश दिया है कि “मुसलमानों! तुम इसाई को कभी भी अपना दोस्त न बनाना।” पिछले 2000 वर्षों में जब से वह शैतान कब्र से निकल कर भागा, 50 करोड़ से भी अधिक भगवान के भक्तों को खा चुका है। 10 करोड़ अमेरिका के रेड इण्डियनों, 5 करोड़ आस्ट्रेलिया के आदिवासी, 2 करोड़ श्रीलंका के बौद्ध, गोवा के लाखों ब्राह्मणों को यह शैतान मारकर खा चुका है। इटली, रोम, नार्वे, स्वीटजरलैण्ड, अफ्रीका आदि देशों के मूलनिवासियों के खून से इस शैतान का मुँह सना हुआ है। 12 करोड़ हिन्दुस्तानियों को दुष्ट अंग्रेजों ने प्लेग फैलाकर इस शैतान का निवाला बना दिया। 2 करोड़ बंगालियों (उड़ीसा भी तब बंगाल का हिस्सा था, को भुखमरी फैला कर पिशाच पूजन वाले दुष्ट अंग्रेजों ने इस शैतान को जिन्दा खिला दिया।)

शैतान आने वाले वक्त में इसाई बने हिन्दुओं का भी खून पियेगा

आज यह शैतान हमारे पूर्वोत्तर राज्यों के हजारों सैनिकों लाखों नागरिकों को मारकर, उनका खून पीकर वहाँ के पहाड़ियों को इसाई बनाने में कामयाब हो गया है। इसके बाद भी इस शैतान की खून की प्यास नहीं बुझी। वास्तव में यह कब्र से भागा शैतान इन सभी इसाई बने हिन्दुओं को मार कर खाना चाहता है और यहाँ पर अंग्रेजों का राज कर लाना चाहता है। क्योंकि वाइविल व्यवस्था विवरण 12 (1-5) में इसाईयों के खुदा का आदेश है कि इसाईयों! जीती धरती के मूलनिवासियों व देवी-देवताओं को सदा-सदा के लिये नष्ट कर दो। देवी देवताओं को तो इस दुष्ट शैतान के उपासकों ने नष्ट कर ही दिया है। अब इसाई बने हिन्दुओं का खात्मा करके ही यह दुष्ट मूलनिवासियों को नष्ट करके अंग्रेजों की नस्ल के अपने लुटेरे अनुयायियों को इस धरती पर बसाने के मंसूबे बना रहा है। जैसा इसने अमेरिका, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैण्ड, नार्वे आदि देशों में किया। यही कारण है कि इसाई आतंकवादियों का सरगना एक अंग्रेजी नस्ल का इसाई आस्ट्रेलियाई अंग्रेज ग्राह्व स्टैन्स सरकार द्वारा कथित धर्म रक्षक श्री दारा सिंह द्वारा जिन्दा क्या जला दिया गया कि पूरे संसार के अंग्रेजों ने धरती-आसमान एक कर दिया। दूसरी ओर पहाड़ी क्षेत्रों में हिन्दू खून के भरतवंशी

इसाई आतंकवादी (नागा, मिजो, बोडो, नक्सली इसाई आतंकवादी, माओवादी इसाई आतंकवादी, पी. डब्ल्यू.जी. के इसाई आतंकवादी आदि) प्रतिदिन भारतीय सैनिकों को लूटते हुए मारे जाते हैं। किन्तु इनके आका आतंकवादी अंग्रेज पादरियों को कोई चिन्ता नहीं। क्योंकि इनकी दृष्टि में मरने वाले सैनिकों का खून व नस्ल भी हिन्दू है और मरने वाले इसाई आतंकवादियों (मूलनिवासियों) का खून व नस्ल भी हिन्दू ही है। दोनों को मारकर ही यीशु के मूल निवासियों व देवी देवताओं को सदा-सदा के लिए नष्ट करने के आदेश का कार्यान्वित किया जा रहा है। यहाँ खास बात यह है कि मारे गये इन इसाई आतंकवादियों की लाशों की कभी भी शिनाख्त नहीं होती। और न ही इनके माँ-बाप, भाई-बहन इन इसाई आतंकवादियों की लाश लेने व इन लाशों पर रोने आते हैं। रोये कौन? ये तो बेचारे वें अनाथ बच्चे हैं, जो इनके सरगना विदेशी अंग्रेज मिशनरी व आतंकवादी अंग्रेज पादरी भूकम्प में तबाह हुए लातेहर से, चक्रवात में तबाह हुए तटीय उड़ीसा से, सुनामी में माता-पिता को गवा चुके अनाथ बच्चों को उठा लाये थे। खेद और दुःख की बात है कि भारत सरकार पता नहीं किस भयवश सब कुछ जानते हुए भी मारे गये नक्सली माओवादी इसाई आतंकवादियों की लाशों की शिनाख्त करके अनाथ हिन्दू बच्चों को इसाई आतंकवादी बनाने वाले अनाथालयों के गिरोहों का भण्डाफोड़ क्यों नहीं करती? पिछले दिनों छत्तीसगढ़ की खुफिया एजेंसियों ने लावारिस बच्चों का नक्सली आतंकवादियों द्वारा आतंकवादी हमलों में शामिल करने की साजिश का भण्डा फोड़ भी किया है। किन्तु नक्सली आतंकवाद को तबाह करने के लिये उसकी जड़ इन आतंकवाद की पौध तैयार करने वाले आतंकवादी इसाई अनाथालयों को सरकार द्वारा अधिग्रहण करके हिन्दू मन्दिरों को सीपने या संत श्री आसाराम बापू जी के अनाथ आश्रमों के सुपुर्द करने की है। पिछले दिनों संत श्री आसाराम जी बापू के आश्रमों, गुरुकुलों के विरुद्ध जो षड्यंत्र इसाई मिशनरियों के एजेंट तनखईया टी वी चैनल द्वारा चलाया गया, उसका मूल कारण यही था कि संत श्री आसाराम जी बापू द्वारा चलाये जा रहे अनाथ आश्रमों की अच्छी व्यवस्था के कारण अधिकांश अनाथ बच्चों का लालन-पालन इन आश्रमों में हो रहा है। जिसके कारण विदेशी आतंकवादी इसाई मिशनरियों को अनाथ बच्चों की किल्लत पैदा हो गयी। जिससे इन्हें नक्सली इसाई आतंकवादियों की पौध तैयार करने में संकट का सामना करना पड़ गया। यही कारण था छिंदवाड़ा में इन्हीं के इसाई मिशनरी कान्वेन्ट स्कूल के छात्र ने आश्रम में दाखिला लेकर एक-एक कर बच्चों को जान से मारना शुरू कर दिया। किन्तु इन्हें नहीं मालूम था कि मध्य-प्रदेश की तेज तर्रार पुलिस इस इसाई आतंकवादी छात्र को गिरफ्तार करके इनकी काली करतूतों का इतनी जल्दी भण्डा फोड़ कर देगी।

चर्च द्वारा चलाये जा रहे इसाई आतंकवाद के विरुद्ध हमारी काली माँ हमारे साथ है। वक्त पर उसने हमें शैतान और उसकी शैतानियत से अवगत करा दिया है। और अब हर हिन्दू का कर्तव्य है कि वह इस दुष्ट शैतान के अधर्म का नाश करके धर्म की रक्षा करने के काली माँ के दिव्य आदेश का पालन करें।

इसाई आतंकवाद व कब्र से भागे शैतान के विनाश के लिए काली माँ का दिव्य आदेश



शारदे नवरात्रे का पहला नवरात्रा। दिल्ली के छतरपुर मन्दिर में माता की भक्ति में लीन एक पुजारी वासुदेव पांडेय, आँखें बन्द कर काली माँ की भक्ति में सरोबार, पुजारी की आँखों के सामने अचानक दिव्य प्रकाश का एक पुंज आता है। पुजारी आँखें खोलता है सामने अष्टभुजा में काली माँ के साक्षात् दर्शन करता है। माता के दिव्य दर्शन करके पुजारी अभिभूत हो जाता है। माता पूछती है, भक्त सोता है या जागता। पुजारी कहता है कि माता अभी तक सोया हुआ था। आज आपके दर्शन पाकर धन्य हो गया है। माता की प्रेरणा पाकर पुजारी बोला माता आदेश करें

काली माँ की दिव्य वाणी गूँजती है, भक्त! वर्षों पहले सुदूर समुद्र पार एक देश में एक धार्मिक राजा ने अपनी प्रजा की बेहद माँग पर एक दुष्ट को पकड़ा था। राजा प्रजा और न्याय शास्त्रियों सभी ने इस दुष्ट के अंदर शैतान पाया। राजा ने अपनी प्रजा की बेहद माँग पर उस दुष्ट की शैतानियत को देखते हुए उस दुष्ट के हाथ पैर में कील ठोक कर उस शैतान को सूली पर लटका दिया। किन्तु राजा से अज्ञान वश एक गंभीर भूल हो गई। जिसके कारण वह दुष्ट शैतान मर कर भी तीसरे दिन कब्र से उठ खड़ा हुआ। और शैतान बन गया। राजा भूल गया था कि शैतान को जिन्दा जलाया जाता है। भक्त! भगवान राम ने भी राक्षस रावण को मारने के लिए अग्नि बाण उसकी नाभि में मारा था। भक्त! राजा द्वारा लम्हों में की गई इस गंभीर भूल की सजा सदियाँ भुगत रही है। पिछले दो हजार वर्षों में यह कब्र से भागा शैतान पचास करोड़ से भी अधिक मेरे भक्तों को मारकर खा चुका है। दो अरब से अधिक मेरे भक्तजन इस दुष्ट शैतान के चंगुल में फंसे हुए हैं। जिनका उद्धार मुझे अपने भक्तों के द्वारा करवाना है।

कब्र से भागा यह शैतान अपने अधर्म को लगातार फैला रहा है। यह शैतान अपने अधर्म को धर्म को बताकर अपनी शैतानियत के उपासकों को कहता है कि इसाईयों! जिस भूमि को तुम जीतते हो, उस भूमि पर जब तक तुम जीवित रहो मेरी इस आज्ञा का पालन करना। जीती धरती के मूल निवासी ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों पर, टीलों पर या किसी भीति के हरे भरे वृक्षों के तले जितने स्थानों पर अपने देवी-देवताओं को पूजते हैं, उनको तुम (इसाई) पूरी रीति से नष्ट करना। भक्त! कब्र से भागा यह शैतान अपनी शैतानियत के उपासकों को आज्ञा देता है कि इसाईयों। सूर्य-चंद्रमा व देवी-देवताओं को पूजने वाले भक्तजनों को तुम (इसाई) पकड़कर पत्थरों से मार दो। भक्तों! हिन्दुओं को मारने संबंधी ये आदेश किसी बाइबिल सोसाइटी ऑफ इन्डिया, संसद मार्ग, दिल्ली द्वारा प्रकाशित बाइबिल के व्यवस्था विवरण अध्याय की आयत 12 (1-5) और आयत 17 (2-5) में लिखे हैं। भक्तों! दुनिया भर के इसाई इन शैतानी आदेशों को मानकर मेरे धर्म का विनाश करने में लगे हैं।

भक्तों! लुटेरे अंग्रेजों ने दस करोड़ पाताल लोक (अमेरिका) के मूल निवासियों और 5 करोड़ आस्ट्रेलिया के आदिवासियों का नरसंहार, इन्हीं शैतानी आदेशों को मानकर किया था। भक्तों! रोमन कैथोलिक इसाई हिटलर ने भी बाइबिल के इसी आदेश को मानकर 60 लाख मानवों को जिन्दा जलाकर मारा था।

भक्तों! कब्र से भागे शैतान की काली छाया धर्म भूमि भारत भूमि पर भी पड़ चुकी है। सुदूर पूर्वोत्तर भारत के मेरे सिद्ध क्षेत्र कामख्या देवी की भूमि असम भी इस शैतान की काली छाया में आ चुका है। अपने आप को नागा-मिजो, बाँडो, उल्फा, त्रिपुरा वायलेन्टर

फोर्स, लिट्टे, एम सी सी, पी डब्ल्यू जी, नक्सली, माओवादी आदि बताने वाले ये गौ भक्षी शैतान के उपासक इसाई आतंकवादी चुन-चुन कर मेरे भक्तों को मार रहे हैं। पिछले 15 वर्षों में इन इसाई आतंकवादियों ने दस हजार से भी अधिक भारतीय सैनिकों को पूर्वोत्तर में मारा है। भक्तों! तुम्हारी भारत सरकार ने भी 10 दिसम्बर 96 को संसद में सवाल संख्या 2712 के जवाब में बताया था कि पूर्वोत्तर के इसाई आतंकवादियों को अंतर्राष्ट्रीय चर्च (इंग्लैंड, अमेरिका, आस्ट्रेलिया आदि के चर्च) भारतीय के सैनिकों को मारने के लिए अस्त्र शस्त्र खरीदने के लिए वित्तीय मदद करते हैं।

भक्तों! ये इसाई आतंकवादी मेरे मंदिरों को तोड़ रहे हैं। मेरी मूर्तियों पर पेशाब करके उन्हें अपवित्र करते हैं। मेरे भक्तों का जबरदस्ती धर्म भ्रष्ट करके उन्हें अपना शैतानी अधर्म जबरदस्ती अपनाने को मजबूर करते हैं। मेरे जो हिन्दू भक्त मेरी भक्ति भावना वश इस गौ भक्षक हिंसक अधर्म का गौ मांस खाकर अपनाने से इंकार करते हैं, उनके परिवार की माँ, बहनों और बेटियों को चर्च के ये इसाई आतंकवादी अपने आँका अंग्रेज पादरियों के साथ मिलकर डायन बताकर जिंदा जला देते हैं। प्रत्येक वर्ष वनवासी क्षेत्रों में मेरी भक्त हिन्दू नवयुवतियों को इसलिए इसाई आतंकवादी डायन बताकर जिन्दा जला रहे हैं क्योंकि ये मेरी भक्त हिन्दू युवतियों कब्र से भागे पिशाच को अनेक अत्याचारों के बाद भी पूजने से इनकार कर देती हैं। मेघालय के नागपूजक हिन्दू खासी स्त्री पुरुषों को इन दुष्टों ने जिन्दा जलाकर मारा है। तीन वर्ष पहले त्रिपुरा के भुवनेश्वरी देवी के मंदिर के पुजारी की दो सुन्दर कन्याओं द्वारा मेरी भक्ति के वशीभूत इसाई आतंकवादियों का अधर्म मानने से इंकार करने पर चर्च के इसाई आतंकवादियों ने पुजारी कन्याओं के साथ पाशिवक बलात्कार भी किया था।

भक्तों! पुरलिया में हवाई जहाज से गिराये हथियार भी इंग्लैंड के चर्च ने ही अपने इसाई आतंकवादियों के लिए गिराये गये थे। जिसकी जानकारी मैंने अपने भक्त खुफिया विभाग के अधिकारियों द्वारा भारत सरकार तक पहुँचायी थी।

भक्तों! अधर्म से लड़ो। भक्तों! तुम्हें पिशाच के अधर्म का पूरा सफाया करना है। भक्तों! मेरी भक्ति के मार्ग पर चलते हुए तुम मेरे अस्त्र शस्त्रों को धारण करके पूरे जोर शोर से शैतान के अधर्म का नाश करने के लिए आगे बढ़ो। मैं तुम्हारे भीतर प्रविष्ट होकर तुम्हें रास्ता दिखाकर इन दुष्ट अधर्मियों को जला कर राख कर दूँगी।

भक्तों! “धर्म एव हतो हन्ति, धर्मो रक्षति रक्षितः” मनुस्मृति का यह श्लोक कहता है कि धर्म की रक्षा करने पर ही तुम्हारी रक्षा होगी। और यदि भक्तों तुमने अधर्म को जानने के बाद भी उसका नाश नहीं किया तो तुम्हारा भी नाश निश्चित है। भक्तों! जैसे तुम कर्म करते हो वैसी ही योनि में तुम्हें जन्म मिलता। पल भर का यह जीवन हो सकता है तुम्हें नीच (शूद्र) योनि में बिताना पड़ रहा हो। तुम्हें कई तरह के कष्ट पूर्व जन्म में किये गये पापों के फलस्वरूप इस जन्म में भोगने पड़ रहे हों। पर भूलकर भी तुम कब्र से भागे शैतान के पास मत चले जाना। अन्यथा शैतान के चंगुल में फसे तुम कभी भी मोक्ष (84 लाख योनियों के जन्म-मरण के चक्रव्यूह से मुक्ति) नहीं पा सकोगे। भक्तों! बाइबिल में यीशु स्वयं कहता है कि तुम मुझे पूजो मैं तुम्हें अनन्त जीवन दूँगा। अनन्त जीवन का अर्थ जन्म-जन्मान्तरण के चक्रव्यूह से कभी भी अनन्त काल तक मुक्त न होना है।

भक्तों! शैतान की रसीली जुबान में छिपी शैतानियत को जान लो।

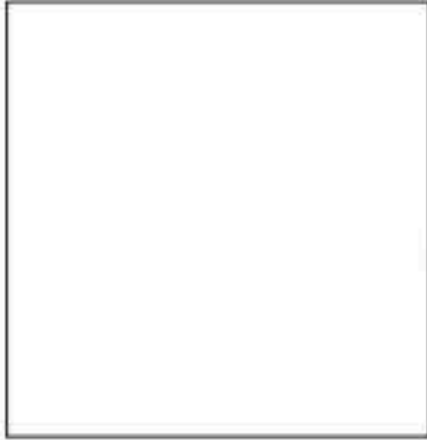
भक्तों! मेरी अपने भक्तों के लिए आज्ञा है कि जो भी भक्त मेरी इस आज्ञा को पढ़ेगा या सुनेगा वह मेरी इस आज्ञा को मेरे 9 भक्तों तक अवश्य पहुँचावेगा। नवरात्रों में मेरा दर्शन करने वाला मेरा भक्त कब्र से भागे पिशाच की चंगुल में फसे, मेरी भक्ति छोड़ चुके मेरे एक भक्त को अवश्य मुक्त करा कर मेरी भक्ति में लगाएगा। एक हजार या अधिक मेरे इस धर्म रक्षार्थ दिये गये दिव्य आदेश को वितरित करने वाले भक्त की मनोकामना मैं 29 दिन में अवश्य पूर्ण करूँगी। मेरे इस दिव्य आदेश को झूठा मानने वाले का भयंकर अनिष्ट होगा।



धर्म रक्षक श्री दारा सेना के अध्यक्ष श्री मुकेश जैन के नेतृत्व में कोणार्क के सूर्य मन्दिर के प्रवेश द्वार पर पूजा-अर्चना करते दारा सेना और भारत जागृति मोर्चा के कार्यकर्ता गण। यहाँ पर यह पूजा-अर्चना 105 वर्ष के बाद हुई।

अंग्रेजों के दुष्ट राजा के आदेश से बन्द कोणार्क सूर्य मंदिर भारत सरकार खोले

श्री सुरेशानन्द जी



अंग्रेजों की दुष्टता मंदिरों को विध्वंस करने का जीता जागता प्रमाण है उड़ीसा का कोणार्क सूर्य मंदिर। पिशाच को पूजने वाले दुष्ट अंग्रेजों ने बाइबिल के मंदिर तोड़ने के आदेश के तहत यह प्रसिद्ध मंदिर सन् 1903 में मलवा भरकर बन्द कर दिया था। मंदिर के बाहर पत्थर पर 1903 में लगा अंग्रेजों के दुष्ट राजा का आदेश “यह मंदिर इंग्लैण्ड के राजा एडवर्ड के आदेश से बन्द किया जाता

है यहाँ पर पूजा अर्चना करना दण्डनीय अपराध होगा” आज भी भारत के 100 करोड़ हिन्दुओं का मुँह चिड़ा रहा है कि तुम्हारा मंदिर आज भी गुलाम है। परम्पूजनीय संत श्री आसाराम बापू जी के परम शिष्य श्री सुरेशानन्द जी से जब दारासेना के अध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने मंदिर की वस्तु स्थिति बतायी, तो श्री सुरेशानन्द जी ने भारत जागृति मोर्चा के अजय भाई, अशोकानन्द जी अल्पेश पटेल को आदेश दिया कि भगवान श्री कृष्ण के पुत्र साम्ब द्वारा निर्मित यह विश्व प्रसिद्ध मंदिर हर हालात में खुलना चाहिए।

भारत जागृति मोर्चा और धर्म रक्षक श्री दारासेना द्वारा इस संदर्भ में एक साँझ मुहिम के तहत उड़ीसा के तारिणी देवी के मंदिर में कोणार्क तक की एक यात्रा निकाली गयी। 400 किलो मीटर की यह यात्रा कोणार्क के सूर्यमंदिर के मुख्य द्वार पर पूजा अर्चना के साथ सम्पन्न हुई। इस अवसर पर दारासेना के अध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने उड़ीसा के मुख्यमंत्री माननीय श्री नवीन पटनायक को ज्ञापन देकर अपील की कि वह मंदिर में से मलवा निकालकर मंदिर को पुनः खुलवाये। विशेषज्ञों की राय है कि मलवा मंदिर की दीवारों पर दबाव डालकर भी नुकसान पहुँचा रहा है।

इस बीच उड़ीसा के कई संगठनों ने भी मंदिर खोलने की माँग उठानी शुरू कर दी है जिनमें पूर्व विधायक श्री बी.के. वर्मा का उड़ीसा सांस्कृतिक मंच प्रमुख है।

हिन्दू समाज पर इसाईयत का आक्रमण परम पूजनीय सरसंघ चालक माननीय श्री सुदर्शन जी द्वारा दिल्ली में दिया भाषण पोप की सेना की खतरनाक जेसट्स की शपथ कितना खतरनाक मामला है?

पोप की एक सेना भी है उस सेना को कहते हैं जेसट्स। वे अपने आप को जीसस काईस्ट और पोप की सेना मानते हैं और खुद को उसका सैनिक मानते हैं। उन सारे सैनिकों को शपथ दिलाई जाती है। उस शपथ का एक अंश मैं आपको पढ़कर सुनाता हूँ उससे आपको पता लगेगा कि ये कितना खतरनाक मामला है। वे क्या कहते हैं?

“मैं यह भी प्रतिज्ञा व घोषणा करता हूँ कि जब भी अवसर आएगा मैं खुले या छुपे रूप में पंथ द्रोहियों से, फिर वे प्रोटेस्टेंट हों या उदारमत वादी, पोप के आदेश के अनुसार युद्ध करूँगा और दुनिया के पटल से उनका सफाया कर दूँगा। और इस मामले में मैं उनकी न आयु का विचार करूँगा, न लिंग का, न पद स्थिति का। मैं उन्हें फाँसी पर लटकाऊँगा, उन्हें बरबाद करूँगा, उबालूँगा, तलूँगा, गला घोटूँगा। इन दुष्ट पंथद्रोहियों को जिन्दा गाड़ दूँगा। उनकी स्त्रियों के पेट और गर्भाशय चीर कर उनके बच्चों के सिर दीवार पर टकराऊँगा, जिससे इन अभिशप्त लोगों की जाति का समूलोच्छेद हो जाए। और जब खुले तौर पर ऐसा करना सम्भव नहीं होगा तो मैं गुप्त रूप से विष के प्याले, गला घोटने की रस्सी, कटार या सीसे की गोलियों का प्रयोग कर इन लोगों को नष्ट करूँगा और ऐसा करते समय मैं संबंधित व्यक्ति या व्यक्तियों के पद, प्रतिष्ठा अधिकार या निजी या सार्वजनिक स्थिति का कोई विचार नहीं करूँगा। पोप, उसके एजेन्ट या जीसस में विश्वास करने वाली विरादरी के किसी वरिष्ठ का जब भी, जैसा भी निर्देश होगा, उसका मैं पालन करूँगा।”

टिप्पणी : जेसट्स की शपथ में और बाइबिल में कहीं भी नहीं लिखा की दूसरी नस्ल (हिन्दू, चीनी, अफ्रीकी आदि) को मार-कूट कर या प्रताड़ित करके इसाई बनाकर अपने में मिला ले। उनके लिये इसाईयों के शैतान खुदा का एक ही आदेश है कि इनको मारकर इनका नामोनिशान मिटा दे।

जनजागरण हेतु इस पुस्तक को लागत मात्र पर बटवाने के इच्छुक देश भक्त श्री मुकेश जैन से दूरभाष 09212023514 पर सम्पर्क करें।

यीशु तू हमें नाश करने आया है

मार्क १:२४, लूक ४:३४

JESUS ARE YOU HERE TO DESTROY US

BIBLE MARK १:२४ LUKE ४:३४

मर कर जिंदा हुए यीशु (ईसा मसीह) की आँखें
आग की ज्वाला जैसी थीं। यीशु के मुख से चोखी
दौधारी तलवार निकलती थी। यीशु से डर कर मुर्दा
से गिर पड़े चहुन्ना से यीशु ने कहा 'मैं उस
औरत के बच्चों को मार डालूँगा।'

नई दिल्ली चहुन्ना का प्रकाशित वाक्य १ (१४-१७), २ (२३)

डी. वी. डी. मूल्य १५ रूपयें

चर्च के नक्सली इसाई
आतंकवाद का शैतान

दिल्ली से प्रकाशित इस पुस्तक से सम्बन्धित सभी विवादों का न्याय क्षेत्र केवल दिल्ली ही होगा। मुजाहिदा भारतीय प्रेस परिषद से पंजीकृत साप्ताहिक है। किसी भी प्रकार की कानूनी कार्यवाही करने से पूर्व प्रेस परिषद की अनुमति लेना आवश्यक है।